INDIAN CANCER SOCIETY
RISE AGAINST CANCER

कैंसर होने से पहले ही उसे मात दें।

कैंसर से आगे रहने के लिए स्क्रीनिंग कराना बहुत ज़रूरी है। जानते हैं क्यों? क्योंकि भारत में अगले 10 वर्षों में करीबन डेढ़ करोड़ लोगों को कैंसर हो सकता है। इनमें से 50 प्रतिशत मरीज़ों का इलाज होना मुश्किल होगा क्योंकि इन्होंने समय पर स्क्रीनिंग (जांच) नहीं करवाई होगी। आप ये बदल सकते हैं। कैंसर के लक्षणों पर नज़र रख कर और शंका होने पर अस्पताल में सही जांच करा कर। सही समय पर कराई गई स्क्रीनिंग और ज़रूरत पड़ने पर सही इलाज आपको कैंसर से आगे रखेगा।

ब्रेस्ट कैंसर

ब्रेस्ट कैंसर (स्तन कैंसर) – अपने पूरे जीवन में हर 25 महिलाओं में से एक को ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना हो सकती है। इससे स्क्रीनिंग के ज़रिये आसानी से बचा जा सकता है डॉक्टरी जांच (क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्ज़ामिनेशन) या "अपने आप की जाँच" ज़रिये। पैंतालिस (45) वर्ष से बड़ी महिलाएं या जिनको इस बीमारी की शंका दिखे, उनको एक खास स्तन एक्सरे (मेमोग्राफी) करवाना चाहिए।

मुंह का कैंसर

मुंह का कैंसर (ओरल कैंसर) भारत में बहुत ज़्यादा होता है क्योंकि हमारे यहां तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट, खैनी-गुटखा, और पान मसाले इत्यादि का बहुत इस्तेमाल होता है। ज़्यादा शराब पीना भी इसका एक कारण है। इसकी स्क्रीनिंग में डॉक्टर मुंह और गले में छाले, असामान्य रंग बदलाव, गाठों को देखकर समझते है। गर्दन में गांठ भी इनका लक्षण है। इससे पहले कि ये लक्षण कैंसर में परिवर्तित हो जाएं, आप इसकी जांच करवा लीजिए। दाँत के डॉक्टर की नियमित जांच में भी ये लक्षण पकड़ में आते हैं।

अपने कैंसर रिस्क के बारे में अपने डॉक्टर से सलाह लीजिए और वह बताएंगे कि आपको क्या स्क्रीनिंग करवानी चाहिये। ओरल (मुंह-गला), ब्रेस्ट (स्तन), सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर - इन तीनों से ज़्यादा सावधान रहें।

गुरमीत ने किस तरह कैंसर पे विजय पाई?
जानने के लिए 31.3.2019 को यहां आना मत भूलिए।

सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) महिलाओं में दूसरे नंबर पर आता है। अच्छी बात यह है कि समय पर स्क्रीनिंग करवाने से ये कैंसर रोका जा सकता है। इसकी स्क्रीनिंग सरल है और तीन विभिन्न तरीकों से हो सकती है - डॉक्टर या स्क्रीनिंग वालो से समझिये।

बड़ी आंत या गुदा का कैंसर

बड़ी आंत या गुदा का कैंसर (कोलोरेक्टल कैंसर) भी देश में बढ़ रहा है और इसकी स्क्रीनिंग भी होती है।

प्रॉस्ट्रेट कैंसर

बढ़ती उमर के मर्दों में प्रॉस्ट्रेट कैंसर होने की संभावना ज़्यादा होती है। इसकी भी बहुत आसान तरीके से जाँच की जा सकती है।

रहो कैंसर से दो कदम आगे

www.rahocancerseaage.org